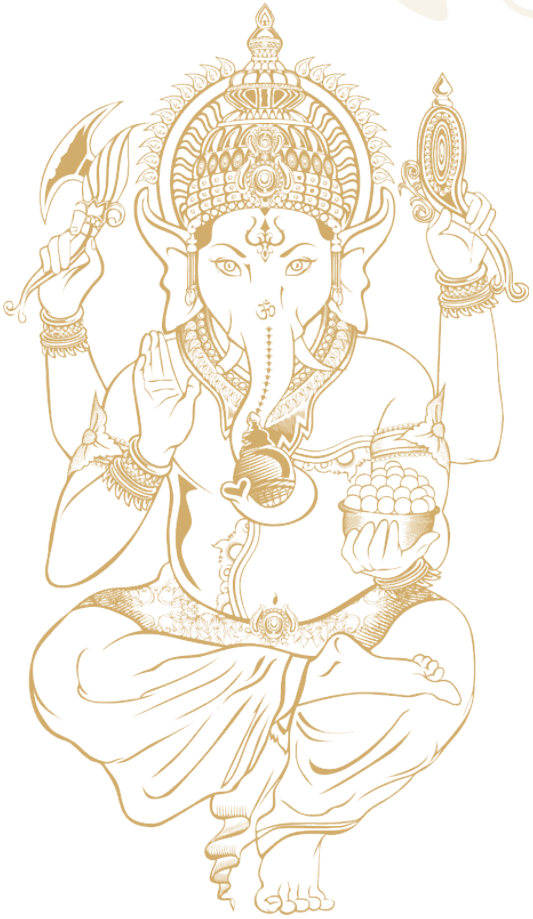

hika/Yamini Choudhary pramla

11 Mar 2007

11:03 PM

Jodhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121259003

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**11/03/2007**
दिन	रविवार
जन्म समय	**23:03:00 घंटे**
इष्ट	40:27:43 घटी
स्थान	**Jodhpur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:18:00 उत्तर
रेखांश	73:08:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:37:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:25:32 घंटे
वेलान्तर	-00:10:09 घंटे
साम्पातिक काल	09:41:32 घंटे
सूर्योदय	06:51:54 घंटे
सूर्यास्त	18:43:43 घंटे
दिनमान	11:51:49 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	26:48:04 कुम्भ
लग्न के अंश	24:56:44 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 2**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	वज्र
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	या-यामिनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	24:56:44	311:30:07	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	---
सूर्य			कुंभ	26:48:04	00:59:55	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चि	21:50:34	12:25:44	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	सूर्य	नीच राशि
मंगल			मक	16:25:22	00:45:44	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	उच्च राशि
बुध			कुंभ	02:04:29	00:20:30	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	केतु	सम राशि
गुरु			वृश्चि	24:50:15	00:04:35	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	मित्र राशि
शुक्र			मीन	28:32:37	01:12:55	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	उच्च राशि
शनि	व		कर्क	25:30:31	00:03:47	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		कुंभ	22:09:07	00:00:19	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	22:09:07	00:00:19	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	21:04:14	00:03:26	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	---
नेप			मक	26:40:44	00:02:02	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
प्लूटो			धनु	04:53:47	00:00:40	मूल	2	19	गुरु	केतु	मंगल	---
दशम भाव			कर्क	29:05:02	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:57:31

लग्न-चलित

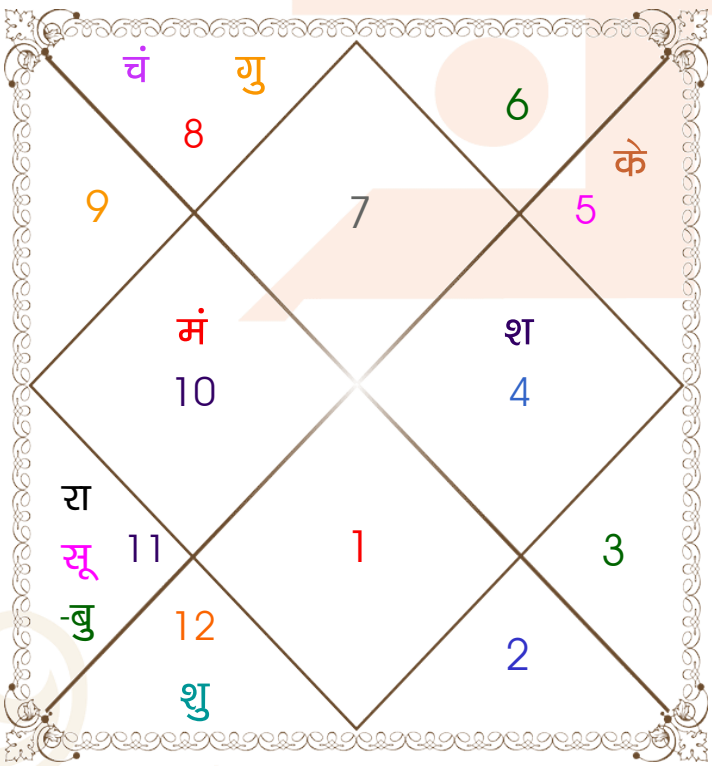

चन्द्र कुंडली

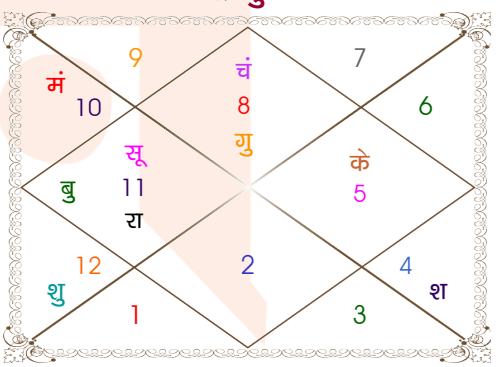

नवमांश कुंडली

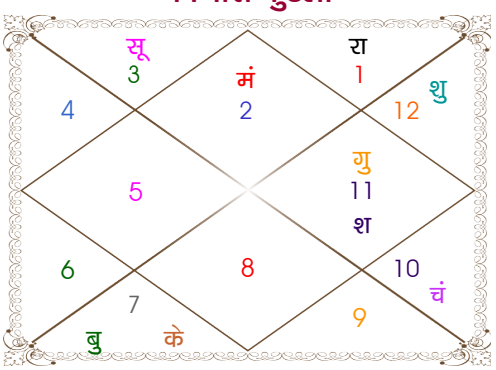

रुद्र वैदिक वास्तु एवं ज्योतिष कंसलटेंसी

जोधपुर - राजस्थान -(भारत)

9784732978

kishorchoukha@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 10 वर्ष 4 मास 24 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
11/03/2007		04/08/2017		04/08/2024		04/08/2044		05/08/2050	
04/08/2017		04/08/2024		04/08/2044		05/08/2050		04/08/2060	
	00/00/0000	केतु	31/12/2017	शुक्र	05/12/2027	सूर्य	22/11/2044	चंद्र	05/06/2051
	00/00/0000	शुक्र	03/03/2019	सूर्य	04/12/2028	चंद्र	23/05/2045	मंगल	04/01/2052
	11/03/2007	सूर्य	08/07/2019	चंद्र	05/08/2030	मंगल	28/09/2045	राहु	05/07/2053
सूर्य	04/09/2007	चंद्र	06/02/2020	मंगल	05/10/2031	राहु	23/08/2046	गुरु	04/11/2054
चंद्र	03/02/2009	मंगल	05/07/2020	राहु	04/10/2034	गुरु	11/06/2047	शनि	04/06/2056
मंगल	31/01/2010	राहु	23/07/2021	गुरु	04/06/2037	शनि	23/05/2048	बुध	04/11/2057
राहु	19/08/2012	गुरु	29/06/2022	शनि	04/08/2040	बुध	29/03/2049	केतु	05/06/2058
गुरु	25/11/2014	शनि	08/08/2023	बुध	05/06/2043	केतु	04/08/2049	शुक्र	03/02/2060
शनि	04/08/2017	बुध	04/08/2024	केतु	04/08/2044	शुक्र	05/08/2050	सूर्य	04/08/2060

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
04/08/2060		05/08/2067		04/08/2085		05/08/2101		05/08/2120	
05/08/2067		04/08/2085		05/08/2101		05/08/2120		00/00/0000	
मंगल	31/12/2060	राहु	17/04/2070	गुरु	22/09/2087	शनि	08/08/2104	बुध	02/01/2123
राहु	19/01/2062	गुरु	10/09/2072	शनि	05/04/2090	बुध	18/04/2107	केतु	30/12/2123
गुरु	26/12/2062	शनि	18/07/2075	बुध	11/07/2092	केतु	27/05/2108	शुक्र	30/10/2126
शनि	03/02/2064	बुध	03/02/2078	केतु	17/06/2093	शुक्र	28/07/2111	सूर्य	12/03/2127
बुध	31/01/2065	केतु	21/02/2079	शुक्र	16/02/2096	सूर्य	09/07/2112		00/00/0000
केतु	29/06/2065	शुक्र	21/02/2082	सूर्य	04/12/2096	चंद्र	07/02/2114		00/00/0000
शुक्र	29/08/2066	सूर्य	16/01/2083	चंद्र	05/04/2098	मंगल	19/03/2115		00/00/0000
सूर्य	04/01/2067	चंद्र	17/07/2084	मंगल	12/03/2099	राहु	23/01/2118		00/00/0000
चंद्र	05/08/2067	मंगल	04/08/2085	राहु	05/08/2101	गुरु	05/08/2120		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 10 वर्ष 4 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काणा उदित था। इस जन्म प्रभाव से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप बहुत चालाक एवं धूर्त महिला हैं। आप धन संचय करने में कोई अवरूद्धता नहीं चाहती। आप अपनी महत्वकांक्षा से संबंधित कार्य संपादन में एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपके जीवन की उज्वलता किसी भी प्रकार से निपटाएंगी। परंतु आपके जीवन का सर्वप्रथम 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वे वर्ष से 34 वें वर्ष तक का समय अति अनुकूल एवं प्रगतिकारक समय रहेगा।

आपके जीवन में धन उपार्जन से संबंधित दूर-दूर तक कतिपय संबंध रहेंगे। अर्थात् आपके संबंध धनोपार्जन में सहायक होंगे। आप अपने दिमाग को तथाकथित रूप से द्वि-पक्षीय रखकर प्रेरित करती हो तथा अपने धनकोष को विज्ञापित करके प्रस्तुत करती हो। आप सदैव अन्यों के प्रति इर्ष्या रखती हों तथा अपनी संपत्ति उर्पाजन के लिए सदैव प्रेरित रहती हो। आपकी शक्ति अन्यों की अपेक्षा अति उत्तम है।

आप निःसंदेह अति कुशाग्र बुद्धि की हैं तथा आपकी संलग्नता उज्वल भविष्य का प्रतीक है। आपको यह ज्ञात है कि अपना जीवन किस प्रकार व्यतीत करना चाहिए। परंतु आपका अड़ियल पन आपकी अपरिपक्वता की सूचना है। जन सामान्य आपके इस व्यवहार को पसंद नहीं करते। अतः कुछ व्यक्ति आपके प्रतिपक्षी हो जाते हैं। परंतु आपका दृढ़ रचनात्मक चरित्र आपका सहायक होकर विपक्षी को अंत समय में पराजित कर देते हैं। इस प्रकार वे लोग सदैव आपका तहेदिल से समर्थन करते हैं।

अतएव आप अच्छी प्रकार अपनी योजना की वास्तविकता को धीरे-धीरे कार्यान्वित करेंगी। इस प्रकार आप अपनी क्षतिग्रस्त राह को पुननिर्मित करें। यदि आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को समझ लें तो आप अत्यंत लाभ प्राप्त कर सकती हैं। आप अपने मित्रतापूर्ण व्यवहार हेतु सक्षम होकर अपनी लाभ जनक प्रवृति में वृद्धि करेंगी।

आपको अपने व्यवसाय एवं अपनी गृह व्यवस्था के प्रति युक्ति संगत होना चाहिए। आपको अपने आनंदप्रद गृह व्यवस्था हेतु अपने पति के साथ मतैक्यता रखनी चाहिए।

आप मात्र अपने जीवन संगी के साथ क्षणिक प्रेम संबंध न रखें। आपको सदैव ही नये प्रेम संबंध के प्रति संपर्क असंतोषजनक और अस्थायी है। अन्तोगत्वा आपको अपने प्रेम संबंध में समानता हेतु आश्वस्त होकर पारिवारिक जीवन को आनन्दमय बनाना चाहिए।

आप अपने व्यवसाय हेतु वैदेशिक पर्यटन एजेन्सी का व्यवहार कर सकती हैं। आप अपने व्यवसाय हेतु शेयर मार्केट का कार्य भी कर सकती हैं।

आपके विविध प्रकार के उत्तेजिक कार्यकलाप आपके वृद्धावस्था में रोगग्रस्त होने का सूचक है जिस वजह से आप कई प्रकार के रोगों से अक्रान्त हो सकती हैं। यथा मस्तिष्क रोग, ट्यूमर आदि रोग से प्रभावित हो सकती हैं। अतः आपको विधिवत अपने खान-पान के

संबंध अपने डाक्टर से सतत परीक्षण कराते रहना चाहिए।

आपके लिए अंकों में उपयुक्त अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक धनोपार्जन हेतु पूर्ण अनुकूल है। आपके लिए अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में रंग हरा एवं पीला रंग अनुपयुक्त हैं। आपके लिए रंग नारंगी एवं सफेद रंग मनभावन एवं शुभ है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।